**भारत सरकार**
**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय**

**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या: 71**
**दिनांक 29 जनवरी, 2026**

## अमेरिका से एलपीजी की खरीद

†71. **श्री खलीलुर रहमानः**

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या सरकार ने अगले एक वर्ष के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) से 2.2 मिलियन टन एलपीजी खरीदने के लिए कोई समझौता किया है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या यूएसए के साथ आसन्न व्यापार समझौते के कारण भारत को यह गैस समझौता करने के लिए विवश होना पड़ा है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या भारत को अधिक मूल्य पर गैस खरीदने के लिए विवश किया जा रहा है, जबकि सस्ते विकल्प रूस से उपलब्ध हैं, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) रूस से मिलने वाली गैस की तुलना में यूएसए से मिलने वाली गैस का मूल्य क्या है?

**उत्तर**
**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री**
**(श्री सुरेश गोपी)**

(क) से (घ) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (पीएसई), इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने संविदा वर्ष 2026 के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) के खाड़ी तट से लगभग 2.2 मीट्रिक टन प्रति वर्ष एलपीजी आयात करने के लिए एक वर्ष का संरचित संविदा सफलतापूर्वक संपन्न किया है। आयात स्रोतों से संबंधित ऐसे निर्णय तेल और गैस पीएसई द्वारा बाजार की उचित जांच-पड़ताल के बाद, प्रतिस्पर्धी दरों और स्रोत विकल्पों में विविधता लाने की आवश्यकता के आधार पर लिए जाते हैं।

वर्तमान में, पीएसई द्वारा रूस से एलपीजी आयात करने के लिए कोई संविदा नहीं है।

*****